भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3331

सोमवार, 9 दिसम्बर, 2019/18 अग्रहायण, 1941 (शक)

रोजगार बनाम शिक्षा

3331. सुश्री मिमी चक्रवर्तीः

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान देश में विद्यालयी शिक्षा पूरी करने वाले लोगों की वर्ष-वार, ग्रामीण-शहरी क्षेत्र-वार और लिंग-वार कुल बेरोजगारी दर कितनी है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान उच्च शिक्षा पूरी करने वाले लोगों की वर्ष-वार, ग्रामीण-शहरी क्षेत्र-वार और लिंग-वार कुल बेरोजगारी दर कितनी है;

(ग) अध्ययन की जाने वाली शिक्षा की शाखाओं और उपलब्ध नौकरियों के बीच शाखा-वार संबंधन सूची का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा कुशल कामगारों को दी जा रही किसी भी प्रकार की प्रोत्साहन राशि का क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री संतोष कुमार गंगवार)

(क) से (ग): राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा रोजगार एवं बेरोजगारी पर पंचवर्षीय श्रम बल सर्वेक्षण आयोजित किए गए थे। ऐसा पिछला सर्वेक्षण 2011-12 के दौरान आयोजित किया गया था। अब, एनएसओ वार्षिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) करने लगा है, जो 2017-18 के दौरान आयोजित किया गया था। सर्वेक्षण के परिणामों के अनुसार देश में विभिन्न शैक्षिक उपलब्धियों में शिक्षित व्यक्तियों की सामान्य स्थिति (प्रमुख स्थिति+सहायक स्थिति) आधार पर अनुमानित बेरोजगारी दर अनुबंध में दी गई है।

(घ): प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना के तहत, हाल में कुशल महिलाओं को उनके नए रोजगार/व्यवसायों में व्यवस्थित होने मे समर्थ बनाने के लिए, अभ्यर्थियों के निवास-स्थान के जिले के भीतर अथवा बाहर नियोजन के आधार पर जिले के प्रशिक्षण पश्च 2 अथवा 3 माह के लिए विशेष (महिला अभ्यर्थी एवं दिव्यांगजन) तथा विशेष क्षेत्रों (एलडब्ल्यूई, पूर्वात्तर क्षेत्र समूह एवं जेएंडके) हेतु 1500 रु. प्रति माह प्रति प्रशिक्षु की नियोजन पश्च सहायता लागू है। राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्द्धन योजना (एनएपीएस) जैसी योजनाएं जिनमें सरकार शिक्षुओं को देय वृत्तिका के 25 प्रतिशत की प्रतिपूर्ति करती है, यह रोजगार तक पहुंच के लिए युवाओं की नियोजनीयता को बढ़ाती है।

अनुबंध

लोक सभा के दिनांक 09.12.2019 के अतारांकित प्रश्न संख्या 3331 के भाग (क से ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

15 वर्ष की आयु के व्यक्तियों की सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) आधार पर उपलब्ध सीमा तक शैक्षिक उपलब्धियों के अनुसार बेरोजगारी दर।

बेरोजगारी दर (%)								
सामान्य शैक्षिक स्तर	**व्यक्ति की श्रेणी**	**साक्षर एवं प्राथमिक तक**	**मिडिल**	**माध्यमिक**	**उच्च माध्यमिक**	**डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स**	**स्नातक**	**स्नातकोत्तर एवं उससे अधिक**
2017-18 (पीएलएफएस)								
ग्रामीण	पुरूष	3.1	5.7	5.6	9.5	26.3	18.1	13.3
	महिला	0.6	3.7	4.4	14.4	25.4	32.7	36.8
शहरी	पुरूष	3.6	6.0	5.8	9.2	12.1	11.7	8.6
	महिला	1.3	5.1	10.6	17.2	23.9	24.4	19.5
2011-12 (एनएसएस 68वां दौर)								
ग्रामीण	पुरूष	1.0	1.8	1.9	3.1	8.2	7.2	
	महिला	0.3	2.5	5.5	8.8	19.2	19.0	
शहरी	पुरूष	1.9	2.2	2.3	4.6	5.1	5.1	
	महिला	1.3	3.0	6.8	8.4	10.2	12.7	

स्रोतः रोजगार एवं बेरोजगारी सर्वेक्षण 2011-12 और पीएलएफएस 2017-18, एमओएसपीएवंआई की रिपोर्ट

(टिप्पणीः तुलनात्मकता के लिए, एनएसएस सर्वेक्षणों के पहले दौर के पीएलएफएस के परिणामों को उस संदर्भ में समझने की आवश्यकता है जिसके साथ सर्वेक्षण पद्धति और नमूना चयन डिजाइन किया गया है।)